

आरोपी वि. (तत्.) जिस पर आरोप लगा हो, मुजरिम।

आरोप्य वि. (तत्.) 1. लगाने योग्य, स्थापित करने योग्य 2. रोपने योग्य।

आरोह पुं. (तत्.) 1. ऊपर की ओर गमन, चढ़ाई 2. आक्रमण 3. घोड़े पर या हाथी पर चढ़ना 4. (वेदांत) जीवात्मा का क्रमशः उत्तमोत्तम योनि प्राप्त करना 5. विकास 6. आविर्भाव 7. संगीत का चढ़ाव, स्वरों का ऊँचा होने का क्रम। विलो. अवरोह।

आरोहण पुं. (तत्.) 1. पर्वत पर चढ़ने की क्रिया, सवार होने की क्रिया 2. उन्नत होने की क्रिया 3. घोड़े आदि पशुओं पर चढ़ने की क्रिया (अश्वारोहण)।

आरोहावरोह पुं. (तत्.) 1. चढ़ने और उतरने की क्रिया, उतार-चढ़ाव 2. जीवन का उतार-चढ़ाव 3. संगीत में स्वर का उतार-चढ़ाव।

आरोहित वि. (तत्.) 1. जिसने आरोहन किया हो 2. नीचे से ऊपर चढ़ा हुआ।

आरोही वि. (तत्.) 1. चढ़नेवाला, आरोही 2. ऊपर जानेवाला 3. उन्नतिशील पुं. 1. संगीतशास्त्र के अनुसार वह स्वर जो षड्ज (स) से लेकर निषाद तक उत्तरोत्तर चढ़ता जाए सा से लेकर रे ग म प ध नी 2. सवार जैसे- अश्वारोही 3. चढ़नेवाला जैसे- पर्वतारोही।

आरोहीक्रम पुं. (तत्.) गणि. किसी सूची की निम्नतम से उच्चतम के क्रम में व्यवस्था तु. अवरोही क्रम। ascending order

आरोही पात पुं. (तत्.) खगो. आरोह क्रम खगोलीय पिंड का वह पात, जिसकी गति उत्तर की ओर होती है

आरोही पादप पुं. (तत्.) बन. वे पादप जो किसी सहारे के चारों ओर लिपट कर अथवा चिपके रह कर ऊपर की ओर बढ़ते हैं उदा. लताएँ, बेलें।

आरोहीवर्ण पुं. (तत्.) संगी. आरोह क्रम में स्वर का उत्थान, स्वर का ऊपर जाना।

आरोही स्वर पुं. (तत्.) 1. संगी. ऊपर की ओर षड्ज से निषाद की ओर जाने वाला स्वर 2. भाषा अनुतान में उठने वाला सुर जैसे- प्रश्नवाचक वाक्य में अंत में सुर उठता है। पर्या. उदात्त। intonation

आरौ पुं. (तत्.) 1. शब्द 2. आहर।

आर्क वि. (तत्.) सूर्य से संबंधित, सूर्य का।

आर्कटिक वि. (अं.) उत्तरी ध्रुव प्रदेश से संबंधित। आर्कटिक वृत्त से घिरा हिम जल क्षेत्र arctic region

आर्क लैंप पुं. (अं.) भौ. एक प्रकार का विद्युत दीप, जिसमें दो इलेक्ट्रानों के बीच तीव्रप्रकाश निकलता है।

आर्कि पुं. (तत्.) 1. सूर्य-पुत्र जैसे शनि, यम और कर्ण 2. वैवस्वत मुनि।

ऑर्गान पुं. (अं.) रसा. रंगहीन गंधहीन, अधात्विक, अक्रिय गैस तत्व जिसकी खोज जॉन रैले और विलियम रैमजे ने की थी इसका प्रतीक परमाणु क्रमांक 18 और आपेक्षिक परमाणु द्रव्यमान 39.948 है।

आर्घा स्त्री. (तत्.) 1. पीले रंग की एक मधुमक्खी जिसका सिर बड़ा होता है 2. सारंग मक्खी।

आर्घ्य वि. (तत्.) आर्घा नाम की मक्खी का या इससे संबंधित पुं. (तत्.) आर्घ्या का मधु।

आर्चिक वि. (तत्.) ऋग्वेद संबंधी ऋचा से संबंधित पुं. सामवेद में उद्धृत ऋग्वेद के मंत्र।

आर्जव पुं. (तत्.) 1. ऋजुता, सीधापन 2. व्यवहार की सरलता 3. स्पष्टवादिता।

आर्जुनि पुं. (तत्.) अर्जुन का पुत्र, अभिमन्यु।

आर्ट पुं. (अं.) 1. कला 2. कला-कौशल, शिल्प, कारीगरी, हुनर 3. हस्तकारी 4. चित्रकला 5. कृत्रिम।

आर्ट गैलरी स्त्री. (अं.) [आर्ट+गैलरी] ऐसा कक्ष, जिस में चित्र-कला प्रदर्शित हो, चित्रवीर्य, चित्र दीर्घा, कला दीर्घा, चित्र-कला दीर्घा।